University in News on 11 February 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 4 and 5

'आत्मनिर्भर भारत में सबसे अहम किसानों की भूमिका'

चंद्रभानु गुप्त महाविद्यालय के 25 वर्ष पूरे होने पर किसान मेले का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

बख्शी का तालाब। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह में किसान प्रदर्शनी, मेला व गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने महाविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया और महाविद्यालय द्वारा किसानों के लिए 'आप की खेती' पत्रिका का विमोचन किया।

मेले में 575 किसानों ने किया प्रतिभाग

उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय कृषि शिक्षा एवं शोध पर अग्रसर है, यह क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। किसान गोष्ठी में मुख्य वक्ता भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक प्रो. एडी पाठक ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत में किसानों की ही सबसे बड़ी भूमिका है।

डॉ. पाठक ने किसानों की आय को बढ़ाने के लिए गन्ने के साथ सब्जी वर्गीय फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। गोष्ठी में

चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किसान मेले में लखनऊ विवि के कुलपति आलोक कुमार राय।

महाविद्यालय के शस्य विज्ञान विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पीके सिंह ने तिलहन को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में सूरजमुखी का रकबा बढ़ाने की सलाह दी।

डॉ. सुधीर कुमार रघुवंशी ने मुर्गा पालन की जानकारी दी। डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह और डॉ. हृदय नारायण तिवारी ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के की बात कही। आचार्य उरूज आलम सिद्दीकी, डॉ. कमलाकांत, डॉ. केडी सिंह ने किसानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली योजनाओं के बारे में बताया। लखनऊ विवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. एसएन पांडेय ने ऑर्गेनिक विधि से खेती करने पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया ने बताया कि मेले में 575 किसानों ने प्रतिभाग किया।

गांवों को गोद लेगा महाविद्यालय

महाविद्यालय के खेल प्रशिक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। कोविड संक्रमण काल में सबसे अधिक खेती व स्वास्थ्य पर एडवाइजरी जारी करने पर महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक भगवती सिंह व प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार शर्मा ने बताया कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए महाविद्यालय कई गांव को गोद लेगा जिससे किसानों को आधुनिक खेती पर विधिवत सलाह दी जाएगी। किसान प्रदर्शनी में 22 स्टाल कंपनियों ने लगाए जिसमें किसानों को उन्नतशील प्रजातियों के बीज व पौध निशुल्क वितरित किए गए।

34 परीक्षा केंद्रों पर होगी बीएड की परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएड की परीक्षा के लिए इस साल 34 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बुधवार को बीएड के परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी। पिछले कई साल में बीएड के ये सबसे अधिक परीक्षा केंद्र हैं। कोरोना को देखते हुए कम छात्र संख्या के हिसाब से परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा अगले सप्ताह से होनी है। इसका परीक्षा कार्यक्रम लविवि पहले ही जारी कर चुका है।

DAINIK JAGRAN PAGE 5

चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय ने मनाया 25वां स्थापना दिवस

संसू, बीकेटी : चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन ने रजत जयंती समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर बुधवार को किसान गोष्ठी व मेला आयोजित हुआ। किसान मेले का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। वहीं, किसान गोष्ठी में प्रो. आलोक कुमार राय ने महाविद्यालय द्वारा तैयार की गई आपकी खेती पत्रिका का विमोचन किया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया ने बताया कि मेले में 575 किसानों ने हिस्सा लिया। खेल प्रशिक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रजत जयंती समारोह में खेलकूद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई थी। वहीं, किसानों को उन्नतशील प्रजातियों के बीज एवं पौधे निश्शुल्क वितरित किए गए।

किसान गोष्ठी के अवसर पर आपकी खेती पत्रिका का विमोचन करते लखनऊ विवि के कुलपति आलोक कुमार राय, पूर्व सांसद भगवती सिंह व अन्य • जागरण

i-NEXT PAGE 2

नए कोर्सेज की संबद्धता पर फैसला 15 को

LUCKNOW (10 Feb, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी का जल्द ही और विस्तार हो जाएगा. इस बार 13 नए कालेजों और पूर्व से संचालित पुराने कालेजों ने 30 नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए आवेदन पत्र भरा है. बुधवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने एनओसी की बैठक बुलाई, जिसमें पांचों जिलों के नामित प्रतिनिधि मौजूद रहे.

JAGRAN CITY PAGE III

नए कालेजों एवं पाठ्यक्रमों पर फैसला अब 15 को

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का जल्द ही और विस्तार हो जाएगा। इस बार 13 नए कालेजों और पूर्व से संचालित पुराने कालेजों ने 30 नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए आवेदन पत्र भरा है। बुधवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने एनओसी की बैठक बुलाई, जिसमें पांचों जिलों के डीएम की ओर से नामित प्रतिनिधि मौजूद रहे। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सभी प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिनके प्रस्ताव जिला स्तर पर लंबित हैं, वे 15 से पहले जमा करवा दें। उस दिन फाइनल बैठक कर एनओसी पर निर्णय लिया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 4

परास्नातक कोर्स में कई संशोधन होंगे

लखनऊ। नवीन शिक्षा नीति के तहत परास्नातक कोर्स में कई संशोधन होंगे। जिसके तहत एक वर्ष के अध्ययन पर पीजी डिप्लोमा व दो वर्ष में पीजी की डिग्री प्रदान की जाएगी। नवीन शिक्षा नीति को जल्द से जल्द लागू कराने के लिए एलयू में मंगलवार को बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि नवीन शिक्षा प्रणाली के तहत छात्रों को दो वर्ष के चार सेमेस्टर में 96 क्रेडिट पूरे करने होंगे। साथ ही सभी छात्रों को अनिवार्य रूप से इंटर्नसिप, इंटर ओ इंट्रा विभागीय कार्यक्रम में शामिल होना होगा। नवीन शिक्षा नीति में उन्नतशील शोध का समायोजन भी किया गया है।

केंद्रीय जिम्नेजियम होगा स्थापित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में खेलकूद सामग्री खरीद की जाएगी और केंद्रीय जिमनेजियम स्थापित किया जायेगा। यह निर्णय लविवि द्वितीय परिसर के प्रशासनिक भवन में हुई बैठक में लिया गया। यह बैठक द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. बंशीधर सिंह की अध्यक्षता में द्वितीय परिसर के विकास कार्यों के लिए हुई। इस पर कई अहम निर्णय हुए। इसमें खेल के मैदान को पूर्णरूप से विकसित करने के साथ सुरक्षित बाउंड्रीवाल और समुचित प्रकाश की व्यवस्था की जायेगी। परिसर में प्राकृतिक जलाशय का विकास एवं सुन्दरीकरण होगा। महिला छात्रावास द्वितीय परिसर में ओपेन जिमनेजियम का प्रस्ताव पारित किया गया। महिला छात्रावास में ओपेन जिमनेजियम के लिये स्थान का चयन किया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एक साल की पढ़ाई पर मिलेगा पीजी डिप्लोमा

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत परास्नातक कार्यक्रमों में पाठयक्रम को संशोधित किये जाने विषय पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक की बिन्दुवार चर्चा कर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में नवीन परास्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों द्वारा एक वर्ष का अध्ययन पूर्ण किये जाने पर यदि विद्यार्थी चाहे तो पीजी डिप्लोमा लेकर वह निर्गम कर सकता है। छात्र द्वारा पूरा दो वर्ष का कोर्स अध्ययन करने के बाद उसे पीजी की डिग्री प्रदान की जायेगी। इस प्रणाली के तहत दो वर्ष के चार सेमेस्टरों में उसे कुल 96 क्रेडिट पूर्ण करने होंगे। इस प्रणाली का ढांचा सभी विभागों/संकायों के लिए समारूप होगा, ताकि भविष्य में परीक्षाफल, दाखिला, पर्यवेक्षण, क्रेडिट स्थानांतरण इत्यादि समस्त धाराओं में एकरूपता विश्वविद्यालय स्तर पर बनाई जा सके।

● लविवि में नयी शिक्षा प्रणाली लागू करने को लेकर हुए निर्णय

इस नवीन पद्वति के तहत विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से इंटॅर्शिप, इंटर और इंट्रा विभागीय प्रोग्राम एवं विविध वैकल्पित विषयों के विभिन्न प्राविधान रखा गया है। जो शिक्षण की गुणवत्ता का संवर्धन करता है। इसमें कोर कोर्सेज के साथ माक के तहत ऑनलाईन पठन-पाठ्न से छात्र-छात्राओं में ऑनलाइन डिजिलाईजेशन का पूरा प्राविधान रखा गया है। नवीन पद्वति की विशेषता यह भी है कि उसमें विशेष रूप से शिक्षार्थियों के गुणवत्तापरक संवर्धन के लिए विभिन्न विषयों के सम्मिलित किये जाने से न सिर्फ उनका बौद्धिक विकास अपितु उनका बहुमुखी विकास भी सम्भव होगा। सम-सामियक, अति आवश्यक, बच्चों में प्रोफेसनल सम्वर्धन हेतु उन्नतशील शोध का समायोजन भी एक अनूठी पहल है।